[illegible] ॥

८४ चूलिकावरोहणविधि पादस्थापनविधि

आशा सफूकुथि
ASHA ARCHIVES
3002

यिनी॥ ॐ विश्वगन्धकृता॥ किंसुयाफा॥ ॐ हूँ त्रुलिस्वाय स्वाहा॥ ॐ मना हृ[illegible] प्रति:

षा॥ हूँ लिजूम्रिकण क्रिया॥ अनु[illegible] ध्यान॥ ॐ नीलोत्पलदलश्यामा [illegible] मूर्त्ति [illegible]

त्रमा॥ [illegible] सर्वालंकार भूषितं॥ ॐ कर्णकुण्डल सूर्य वामदक्षि[illegible]

[illegible] मा विपाकसी जूम्रि ध्याङ वीजवता॥ वीनवक्त्रमहादीर्घवस्त्र [illegible]

[illegible] पूजा केशाकन्[illegible] यहस्तकै॥ ध्यान पूर्व्वश॥ हूँ लि[illegible] ध्यान॥

॥ ॐ सकलमूर्त्ति [illegible] कल्पना॥ ॐ हिं व्याघ्रि॥ कनका॥ नका॥ कृष्ण [illegible]

[illegible]॥ हूँ [illegible]॥ [illegible]॥ ॐ अग्नि जिका ही [illegible] सिद्धाय स्वाहा॥ [illegible]

[illegible] पनी॥ अग्राय स्वाहा [illegible]॥ [illegible] वसन्त होम॥ ॐ हूँ नावली॥ ॐ हूँ दाक्षि[illegible]

॥ॐ मानस्तो[illegible]॥ॐ पर्व[illegible]॥ॐ त्रि[illegible]॥ॐ भामाय स्वाहा॥ याग॥ॐ [illegible]
स्वाहा॥ याग॥ [illegible]मा॥ॐ [illegible] स्वाहा॥ [illegible] स्वाहा॥ॐ स्वः स्वाहा॥ॐ [illegible] स्वः [illegible]
[illegible] यावूल॥ॐ [illegible]ना[illegible]॥ याग॥ॐ सवन्ना[illegible]॥ॐ [illegible]॥ॐ [illegible]
ॐ इन्द्रं मरु[illegible] सर्व्व याग सहा॥ॐ कामकामसि [illegible] प्रणीतं निधाय॥ॐ मन्त्र याः
[illegible] ब्रह्म प्रणीत वक लोकपाल॥ [illegible] ब्रह्म प्रणीत लोकपाल[illegible]
[illegible] स्वस्ति [illegible] स्वस्त मक्षेण [illegible]॥ॐ [illegible]
॥[illegible]॥ ॥[illegible] यत्पर्य्येतः॥ प्रणीत वन॥ व्रीहियव[illegible] निधाय॥[illegible]
यव तिला [illegible] मिश्रित [illegible] माला पुष्प [illegible] नारीकेल [illegible] पुष्प समिध[illegible]

[illegible] अग्निं[illegible]॥ॐ [illegible]॥ तन मञ्जुल जयति॥ [illegible] पूजन॥ चन्दनादि सा
लकील[illegible]॥ [illegible]॥ॐ सर्व्वालिकीन [illegible] कक्कनं मुद्रिकानि। [illegible]
मक्षतानि [illegible] शिवयज्ञ [illegible] समर्थ सर्व्व साधनी [illegible]
[illegible] समिद्ध [illegible] मालिका॥ [illegible] यज्ञ कल्याणं [illegible] धनानि [illegible]
[illegible] सर्व्व सिद्धि [illegible]॥ यजमानस्य यथा [illegible] साधन यज्ञ निमित्तार्थं [illegible]
[illegible]॥ॐ अग्नि [illegible] ब्रह्मा [illegible]॥ [illegible] जयति॥ अग्नि[illegible]
[illegible]॥ तिला [illegible]॥ महा व्याहृति पूर्व्वकं॥ [illegible] इत्यादि॥ॐ [illegible]
[illegible] स्वाहा॥ ब्रह्म प्रणीत वक लोकपाल [illegible] कल[illegible]॥ [illegible] व द ७॥ [illegible]

॥गणेशाय॥ ॐ॥अस्त्र॥वास्तु॥लक्ष्मी॥ मान्निक पूष्ठि कथा॥ आगन्तुक कलश॥ नाग
यक्ष यक्षणी श्री लक्ष्मी शिव [illegible] तिस मूल कलेश॥ पंचदेवादर्शी वा सर्व आदि
दी वा॥ ॐ पूर्ण दाविति [illegible] नीहरि दीपक॥ × ॥अथ स्नान मन्त्र घट देवादीपं
द्रव्य। ०नि वाय॥ ह घौन नाम [illegible] निवाय॥ सा [illegible] विधि॥ नमः ॥ ॐ स्नान स
द कलश॥ पृथ्वी॥ स्नान समुद्राय॥ ॐ समुद्राह् [illegible]॥ ॐ मा [illegible] काय॥ ॐ अ
का॥ ॐ अ [illegible] नय [illegible] समुद्राय॥ ॐ समुद्राय वावानाय॥ ॐ कषायाय॥ ॐ विष्णु
न॥ ॐ दधि [illegible] दधि समुद्राय॥ ॐ समुद्र [illegible]॥ ॐ पल्लवाय॥ ॐ दम्बि [illegible]॥
ॐ न [illegible] घृत समुद्राय॥ ॐ समुद्र [illegible] दयी॥ ॐ पंचामृताय॥ ॐ अनवक्षा ४॥

ॐ पान्थेभा॥ ॐ मुख [illegible] समुद्राय॥ ॐ समुद्रा [illegible] विष्णु॥ ॐ पञ्चाद्याय॥ ॐ ब्रह्म
ज्ञानी॥ [illegible]॥ ॐ कौ [illegible] समुद्राय॥ ॐ समुद्रा मिन कृष्ण॥ ॐ पञ्चगव्याय॥
ॐ वायव्ये॥ ॐ व मध्य फ [illegible]॥ ॐ पवित्र [illegible]॥ ॐ [illegible]॥ ॐ [illegible] समुद्राय॥ ॐ समुद्र
वान्तमन॥ [illegible] सर्वी॥ ॐ याओवन॥ [illegible]॥ ॐ सिंधु समुद्राय॥ ॐ सिंधु
न॥ ॐ नाय [illegible]॥ ॐ [illegible] मध्य [illegible]॥ ति [illegible]॥ [illegible] वीदक [illegible] कथ॥ ॐ न
४ न क्षवाय॥ [illegible] पृथ [illegible] क पूजयत॥ ॥ तत्र निर्म [illegible] नादि अग्नि
वक्ता॥ कमादेव स्नान॥ [illegible]॥ ॐ अ [illegible]॥ प्रथम समुद्र स्नानानी॥ मृत्तिका॥ कषाय
पल्लव॥ पंचामृत॥ पञ्चाद्य॥ पञ्चगव्य॥ [illegible]॥ ति [illegible]॥ पूर्वादि स कलश॥ त
१ [illegible] पूर्व [illegible] अस्त्र पूर्ण पूजा [illegible] मन्त्र [illegible] वामानि स कलश ४॥

बीदका॥ सत्वमन्त्रेण॥ मध्याह्न [illegible] ॐ सल्वयौमिद्धिवका॥ रुग्म॥ ॐ नमः [illegible]
वास॥ मनस्मान॥ ॐ वसा यचित॥ सहस्रमान॥ ॐ अग्न सहस्रानि॥ बद स्नान॥
यतुका [illegible] रिवाह का॥ अपुद्यादकपे॥ मन्त्र स्नान४॥ गन्धोदक स्नान॥ पान्चामि
का॥ श्री [illegible] हि [illegible] का॥ लाजाहि [illegible] का॥ हत्ताहिषका॥ ॐ जलाहि षकं॥ ॐ आय
[illegible] जला॥ [illegible] ग [illegible] ज्ञान॥ वस्त्र यनि वान्नयत॥ [illegible] ॥ तिलका [illegible]
[illegible] ॥ अजलमिला क्षय॥ अक्षत॥ ॐ विश्वकर्मानि म [illegible]
[illegible] का॥ कथ॥ ८ कम [illegible] विश्वकर्मा निमा॥ स्तुत॥ दन॥ [illegible] न [illegible]
[illegible] निव स्नमनूत॥ ॐ सानिध्यो [illegible] जन॥ अग्नि रक्षा [illegible] नाद [illegible] का॥ य [illegible]

नमाला पुष्प॥ हलसहुण धूपदीप॥ अग्नी बोदा॥ अग्नी काल॥ [illegible] ॥ [illegible] का
नयत॥ [illegible] ॥ ततानि स्वाहा॥ वे प्रवशयत॥ अग्नि रक्षा॥ देलाहव का॥ मन्त्र॥ [illegible] अग्नि
[illegible] ॥ अग्नि [illegible] पूर्वस्थाप्य॥ [illegible] ॥ वक्सत्क्रिया॥ न्यास॥ सध्याकल [illegible]
[illegible] ॥ ॐ न [illegible] का॥ आग्र [illegible] क्षाय॥ पञ्चस्तूत्तल वानयत [illegible]
[illegible] [illegible] यत॥ [illegible] स्वाहा॥ ॐ [illegible] होमिवकु॥ ॐ स्वधे [illegible]
नेम४ [illegible] ॥ [illegible] मान [illegible] ॥ [illegible] जिन वेन सावेयत॥ मावव [illegible]
लमन्तु [illegible] वयत॥ याथा [illegible] नसापयत॥ [illegible] वेला [illegible]
न॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ वायवाया वेद्ध ६ माव वाय [illegible]

विष्णु [illegible] ॥ तिनत्वा ॥ य [illegible] न ॥ अगुष्ठाभ्यां नमः कनी ॥ ३० ॥ दीर्घ [illegible] नि
त्यां ॥ [illegible] नाम न [illegible] म करतल करपृष्ठ ॥ षडंगन्यास ॥ ततो [illegible]
सः ॥ [illegible] ॥ ॐ [illegible] स्वाहा ॥ ॐ तत्स्य स्थानि ॥ यं ॥ निकत
ना ॥ ॐ [illegible] ॥ कन्यना ॥ ॐ [illegible] ॥ वीर्यप्रदानी ॥ ॐ [illegible] दि स्त
॥ वक्त्रा ॥ ॐ [illegible] य स्वाहा ॥ ॐ नको [illegible] स्या ॥ नहाथानी ॥ ॐ हं शिवस स्वाहा ॥
[illegible] ॥ थूंत्र कनी ॥ ॐ हूं शिखाय ॥ ॐ शिवाना मासी ॥ श्री मकौन यनं
ॐ [illegible] कवचाय स्वाहा ॥ ॐ प्राणाय स्वाहा ॥ जातक म्र्य ॥ ॐ लायनंद [illegible] ॥ ॐ नद्य
कृ [illegible] ॥ घ्र नम थूदाय यहू ॥ ॐ यश्चीत यद्धिया ॥ ना दीष्ठ दनी ॥ सया कं ॥

॰ ॥ ककेनसिंवनक्षा ॥ ॐ दक्षिण कर व्याप्यतलि ॥ ॐ स्थानी ॥ ॐ चि [illegible] य
मल ॥ ॐ वनं पञ्चकृति ॥ सघस्र नकनासनी ॥ ॐ हं नेत्राय स्वाहा ॥ ॐ [illegible]
य [illegible] नी ॥ ॐ [illegible] ॥ निष्कमनी ॥ ॐ हुं अस्त्राय स्वाहा ॥ ॐ का यत्या [illegible] ॥ नाम
[illegible] ॥ [illegible] न मेति [illegible] ॥ घृत दकन ॥ ॐ [illegible] अस्त्राय [illegible] ॥
[illegible] ॥ [illegible] प्रामनी ॥ ॐ [illegible] नय स्वाहा ॥ ॐ अन्नय [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] स्वाहा [illegible] ॥ ॐ कन्ठुलि [illegible] ॥ ॐ [illegible] स्वा
स्वाहा ॥ ॐ [illegible] ॥ वाक्र दनी नि ॥ ॐ [illegible]
स्वाहा ॥ ॐ [illegible] दया [illegible] ॥ सर्वनाकं [illegible] नी ॥ य [illegible]

दक्षुा ॥ ग[illegible]श्री ॥ ॐ वननदीका ॥ [illegible] ॥ ॐ अ[illegible] ॥ समावर्त्तने ॥ ॐ हृदया
स्वाहा ॥ [illegible] वाहा ॥ ॐ पूर्वकः ॥ चतुर्थी ॥ सनसूत ॥ ॐ सहृ[illegible]लि
जुनि [illegible] ॥ ह[illegible]नी [illegible] कनं ॥ श्री ॥ हासो ॥ ॐ नयवायु ॥ व
न्हानना ॥ [illegible] कजक्रमयकाण्ड आ, दना ॥ इति कदद [illegible] क्रिया ॥ ॥ यध
देवस्य मूलमन्त्रे[illegible] ॥ ७४ ॥ नवैन्यौ ॥ यथक्रन्द नसाम नी ॥ [illegible] क
धीमे ॥ ॐ पृथिवीन वायस्वाहा ॥ ॐ पृथिवीने वाधिपतये ब[illegible] ॥ ॐ
मयस्ना[illegible] ॥ ॐ आपन वायस्वाहा ॥ ॐ आपने वाधिपतये वि[illegible] स्वाहा ॥
ॐ छन्दग्निक ॥ ॐ तेजन वायस्वाहा ॥ ॐ तेजन वाधिपतये सूर्याय स्वाहा

॥ ॐ नआति ॥ ॐ वायुनवायस्वाहा ॥ ॐ वायुनवाधिपतये [illegible] वायस्वाहा ॥
ॐ द [illegible] यू ॥ ॐ आकाशनवायस्वाहा ॥ ॐ आकाशनवाधिपतये सदाशिव
स्वाहा ॥ ॐ नमाहक्रूद्राय ॥ इति पञ्चगव्य ॥ ४ ॥ ॐ हूं स्वाहा ॥ ॐ तव स्वाहा
॥ ॐ स्वं[illegible] ॥ ॐ नद स्वाहा ॥ ॐ जन स्वाहा ॥ ॐ नय स्वाहा ॥ ॐ सद स्वाहा
॥ ॐ नंदक ॥ ॐ नदि [illegible] इति ॥ छ ॥ ॐ शिवनवायस्वाहा ॥ ॐ शिवं नवा ॥ धि
पतये मह[illegible] यस्वाहा ॥ ॐ शिवो नामासि ॥ ॐ विद्यानवायस्वाहा ॥ ॐ
[illegible] ॥ ॐ आत्मनवाय स्वाहा ॥ ॐ आत्मनवाधिपतये ब्रह्मणे स्वा
हा ॥ ॐ आ[illegible] ॥ १ ॥ मनोजीवनाम ॥ यथा देवस्य मूलमन्त्रेण ॥ सदिवा स

ह्रीं दा ह्न प्र धृत्वा ध्यात्वा ॥ ॐ पूर्वाह्न स्थानि पूर्ण्णं ॥ ॐ निजो विन्या
स्याघ्राय पञ्चविंशति तत्त्व ॥ अनुष्टुप् छन्दः सविता देवता ॥ गायत्री ॥ मूल मन्त्र ॥ ॐ वि
नियोग ॥ ० ॥ तत्रादौ हृन्यास ॥ ॐ हृदयाय २ स्वाहा ॥ ॐ जज्ञानेन ॥ ॐ गिनेस
र्गा ॥ ॐ महद्भूर्णी वा ॥ ॐ शिखाय स्वाहा ॥ ॐ अर्च्चिसे हृतप्रा ॥ ॐ कवचाय स्वाहा
॥ ॐ अग्नि शिखा ना ॥ ॐ नेत्राय स्वाहा ॥ ॐ विज्ञान ॥ ॐ अस्त्राय स्वाहा ॥ ॐ नम
॥ ॐ निष्कर्मे ॥ ० ॥ ॐ हूं ४ स्वाहा ॥ ॐ रुच स्वाहा ॥ ॐ स्व ४ स्वाहा ॥ ॐ पूर्ण्णं दक्षि
पूर्ण्णं ॥ ॐ दिक् बन्धन विधि ॥ ध्यात्वा देवसमीपं गच्छतु ॥ अर्घ्यो पुष्प
श्री ॥ यजमान ॥ गोल्यं कारं गच्छतु ॥ यथासादि पूजनं ॥ ॐ नेमी पूजा ॥ च

न्दनादि यज्ञोपवीत पुष्प दक्षिणा ॥ ० ॥ तत्राधिन्नाराय ॥ कर्मयजमान आया
र्थं निराकृति ह्रामरुन्द्र ककषस्यैत ॥ थिवहाने ॥ ॐ आयुर्वावाह कल्याणं
॥ आयादि ॥ वाक्य ॥ ॐ प्रतिष्ठितासिद्धवश स्तु प्रतिष्ठ त्ववद्वियं सानि पृथ्वी
न स्त्रीजनमानादि पूज्यन्तु ॥ गन्नास्तु द्विपदनिर्यं गन्नानास्तु चतुष्पदाग
तु सर्वेनी कानागन्नानाह्वस्कन्धे वचा ॥ यजमान संहृत्याय यत्नु दुत्रस्यावा
नवकृतुं सर्वेदेवा यद्देवगाय नभास्तु ॥ यावन्तु न घातं सूर्यदेव पूर्व
चतुर्थी ॥ तन्वदृष्टं नद्यानि विष्णुलोके महीयते ॥ जमल कुप्रदानं न पू
कादि गजश्रेष्ठा ॥ सान्वनं त्रस्य नूयस्य मदनी सफसागवा ॥ तावद्दा काल

गनीवमा वर्त्व ऊक्ति मारुवा॥ वरु॥ ॐ क्लि नारु ववीर्ये॥ क्लि वारु वक्ति मारु॥
ति क्लि नमो॥ श्री॥ नमोऽवाङ्नै॥ गो॥ मीया॥ जैन अुद्बुनै॥ [illegible] ॥दि धूप
पा॥ स [illegible] सुदा घेयत॥ जा पस्म॥ त्र॥ यथाऽवस्थ्य॥ येथाऽवस्य मेल मने
स [illegible] ॥ तुला॥ अूह्गते॥ लाजा मूष्ठ का मह्द्रभिष्ठ॥ ॐ म नाह्दुनि॥ धूप्रमु
ॐ [illegible] ॥ [illegible] नायूवमीह्यन॥ अग्निवकादि लाहल का॥ पीवानिष
कलापक॥ यूस्र कापका॥ लाजापक॥ धूप्यापक॥ प्रतिष्ठा कलश॥ निष कु
मधुपागी वकि॥ नमा यथाऽवस्य अाहूतिश॥ ॐ नि सरवाहूति॥ ॐ निवेव प्रति
विधि॥ श्री॥ नमा यथाऽवस्य उनाद्बनै॥ अूर्द्ध येर्ये को॥ नमा सभिधकाम॥ द्वाद

कादशीयाहनसा॥ विसषसमिध प्रगीयायनसा॥ श्री॥ ॐ कमवायनमः॥ ॐ न
क्षीसा॥ ॐ प्रियश॥ वठहकु॥ ॐ प्रजापतेन॥ ॐ नारायणाय श॥ ॐ वामी [illegible] वी श॥
ॐ मन [illegible] वीश॥ वरै गन॥ ॐ अग्वस्छुवा॥ श॥ ॐ माधवाय श॥ ॐ का के श॥ ॐ दानि
हुषेन॥ ॐ ह्रषी॥ ॐ गोविन्दाय श॥ ॐ क्रियाय श॥ ॐ वकुाय श॥ यलासा॥ ॐ [illegible]
[illegible] विष्णु श॥ ॐ माकिश॥ ॐ माकाय श॥ अयामार्ग॥ ॐ [illegible] ॥ श॥ ॐ म
[illegible] नाय श॥ ॐ [illegible] नीश॥ ॐ विष्टनी श॥ अूक्त॥ ॐ अूकृष्ण॥ ॐ त्रिविक्रमाय श
[illegible] श॥ ॐ [illegible] मिष्ठाय श॥ खदिर॥ ॐ अग्नि मूर्द्धा॥ ॐ वामनाय श
ॐ [illegible] ॥ ॐ ति [illegible] श॥ समि॥ ॐ प्रापादवी॥ ॐ श्रीधराय श॥ ॐ [illegible] श॥

[illegible]शी[illegible]॥ [illegible]॥ ॐ लघी[illegible]माय स्वा॥ ॐ मायायै स्वा॥ ॐ मादि नाथ
स्वाय क[illegible] डोम्बि[illegible]॥ ॐ यमना[illegible]य स्वा॥ ॐ द्विप्य स्वा॥ ॐ ह्रीमताय स्वा॥ वालि[illegible]
॥ ॐ[illegible]नसी॥[illegible]॥ ॐ [illegible]माद नाय स्वा॥ ॐ महिमाय स्वा॥ ॐ मनिमाय स्वा॥ हव्वी॥
[illegible]आन॥ स्वा॥ ॐ ति समिध होम त्र काद शी त्रमो या पनया विसर्ग॥ पूजाय
[illegible]त्र॥ सा[illegible]या[illegible] यजमान देव न प[illegible]पू तैष्ट स्वा॥ आहुति॥ पूर्णा॥ ॐ
[illegible]॥ लाजा[illegible]यनी॥ ॐ मनाहुति॥ ॐ ति व्रत प्रति ष्ठा॥ आहुति[illegible]॥ त्रिन स्वा॥
॥ ॐ ब्रह्म यज्ञनी॥ ॐ [illegible]दम्वि[illegible]॥ ॐ न म[illegible]ग म्क्र वाय॥ व्रति स्वाय स्वा॥ ॐ मना हुति॥
लाजामुष्टिका सह व्रति ष्ठा॥ ॐ ति व्रत प्रति ष्ठा॥ ०॥ वरु होम॥ ब्रह्म[illegible]॥ [illegible]

आहुति॥ वाक्यादि गदग स्थान क[illegible]गण॥ सर्व संख्या हुति[illegible]॥ [illegible]क
४॥ पूर्णिका॥ त्रत सर्व आहुति॥ ०॥ [illegible]यव धान्यादि॥ [illegible] वलि लिपूज[illegible]॥
[illegible]दन॥ ब्राह्मण पूजनं॥ निवयादि[illegible]न॥ ब्राह्मणाय जून संकल्प॥ आ[illegible]द[illegible]
वा[illegible]यन॥ घृत दीप[illegible]काहोम॥ घृताहुति वार १०८॥ ॐ अर्ध्व वाव[illegible]
२७॥ यज्ञ वेलि पूजनादि वेद॥ यव धान्यादि समिध दीप हिका व[illegible]॥ निधाय
॥ वलि विसर्जनी॥ ॐ॥ शिव४ रुद्र४ क्षेत्र४ अग्नि४ आचार्यादि ब्राह्मणादि दक्षि
[illegible]॥ [illegible] दक्षिणा दानं॥ अभय दान॥ त्रिय[illegible] आहुति॥ वस्तु स्य[illegible]
[illegible]वा[illegible]॥ वस्तु[illegible] आहुति॥ ॐ याहि नाज[illegible]॥ [illegible]दिन पूर्णी कार्य

पञ्चो [illegible] ॥ ओं [illegible] ध्याय स्थानि ॥ ओं अवस्था वी ॥ ओं द्धिमस्य त्वा ॥ ततो आ सं
स्थाय ९ ॥ ओं मन्त्राधि पेद ॥ याहि ॥ मण्डलस्था ॥ ओं अक्षवद्या ॥ ओं यज्ञन्या ॥ ओं
क्वास्तुम्रा ॥ ओं ययययज्ञ भूसं ॥ ओं जुद्ध माको ॥ ओं नानायतश्च ॥ ओं यावद्धी ॥ ओं
न्त्राघाला कपाला ॥ ओं यदि दोषास्ति ॥ ओं सन्तु सकनिश ॥ ओं जुह्वा नाह्वान ॥ ओं याव
दा ॥ ओं यथावान ॥ कर्म्मनि मनसा ॥ ०॥ निक्रुमि ॥ सकलस्थी ॥ आगी वीद ॥ ओं
जितु ॥ कलश ॥ ओं ०॥ दध्विष्य ॥ ध्वस्थौ ॥ ओं अग्निअविं ॥ अग्निस्थौ ॥ ओं यस्य द्रुभगी ॥
आ वार्यस्थौ ॥ दवीकर्म्माया व ॥ ततो सर्व्व आगी वीका ॥ ततो यजमानानिष्क अ
र्घ पात्रादकेन ॥ वन्दनादि ॥ आगी वीदि ॥ ततो मूला वार्येन न्यासादि आ द्रु दिशं ॥

ओं स्थालू वाक्य ९० ॥ ०॥ दिदिनस्य कर्म्मेसमाप्त ॥ ओं ॥ रात्रीजागरणं ॥ या
स्थानं गुरु यत ॥ नमानि यथीनस्य मर्म्मलि ॥ रोची मूद्र मी संयुक्त रात्रीजागरणं कि
या ॥ यदि निद्राव संजाते स्वप्न दृष्टिगीति ब्र मीत ॥ तु राघुर न्नु बुयन शान्तिकं द्रिय
च मदु भा ॥ ओं ॥ ततः प्रातस्नानादि नित्यकर्म्म कोवयत ॥ अनुययोद पञ्चाल्यी ॥ पू
॥ पूष्य लाजनादि ॥ न्यासं ॥ पूर्ववदि कलशार्च्चनं ॥ पूर्ववद्विधानेन ॥ पूजनं ॥
शदिग व्रावलि गविदिग कलश ॥ इनश्व वउलाकयाल पूजनं ॥ शान्तिक पुष्टिक
[illegible] कलश [illegible] अस्तु लक्ष्मीनागयक यक्षी दीलक्ष्मी ॥ आमयनिम ॥ य
क्षि [illegible] कर्म्म मन्त्र [illegible] लिगणादि ॥ ०॥ दिपूजन विधि ॥ ततो यजमानन ॥ द

लाकनादि [illegible] ॥ [illegible] वीं ॥ न्यासादि ॥ आहुति [illegible] पायश्चमें त्रियंबा ॥ [illegible]
मन्नाहुति ॥ [illegible] न कुत्रकलंका ॥ एन सर्व्व आहुति ॥ संख्याहुति ३ ॥ [illegible]
पूक्लिक ॥ आहुति [illegible] ॥ यथादेवस्य ब्रुमाबेन ॥ आहुति ६ ॥ त्रेन त्राने [illegible]
आहुति [illegible] क्लिक पूक्लिकन त्रान त्रेनिष्ठा ॥ आहुति ॥ ७४ ॥ लाजामूक्लिक [illegible]
[illegible] देवपूजा ॥ ब्राह्मणपूजा ॥ वन्दनादि ॥ व्रीहिहोम ॥ यवधान्यादि [illegible]
नादि [illegible] नि ॥ दगवलि ॥ आच्छादनादि अन्न संकल्प ॥ वलिपूजनं ॥ ॐ [illegible]
नीवा ॐ यादि वन्दनपूजा ॥ दीपदक्षिकाहोमी ॥ महाव्याहृति मकुल ॥ [illegible]
[illegible] मेगनघृताहुति ॥ १०८ ॥ ॐ अव म्बोरष्य ८० ॥ २४ ॥ अ संहोम ॥ वस्तु [illegible]

आहुति ॥ ३ ॥ ॐ पयमनकुणा ॥ ५ ॥ प्रायश्चित्त होम ॥ ॐ देवादिवि ॥ ॐ पूष्पादि
वी ॥ ॐ घृतवती ॥ ३ ॥ भुवनानां ॥ ॐ आब्रह्म ॥ ॐ दम्वि [illegible] ॥ प्रायश्चित्त मिदं ॥
[illegible] यवाभूणा ॥ ॐ त्वंनो अग्ने यागसह ॥ ॐ नून स्यश्वाहा ॥ ॐ अयिश्चाग [illegible]
श्वाहा ॥ ॐ नूनाधिय नयस्वाहा ॥ ॐ यादिनायज्ञस्वाहा ॥ ॐ सर्वम्यादिना [illegible]
[illegible] स्वाहा ॥ ॐ सर्वस्यादि वस्य स्वाहा ॥ ॐ वस्तु यादिना अग्नये नम [illegible]
स्वाहा [illegible] यादिनावि स्वध दस्म स्वाहा ॥ ॐ यज्ञ पादिविशोवसा स्वाहा ॥ ॐ
सर्व्व यादि स [illegible] स्वाहा ॥ ॐ अनाधिविकीं इसामि स्वाहा ॥ ॐ अग्नि वि
कीदाला [illegible] ॥ ॐ अ [illegible] यदा [illegible] तस्व वैक्रियत मम ॥ सर्व्व

[illegible] यथ [illegible] दिन [illegible] ॥ ॐ वे [illegible] नमाय विमद [illegible]

[illegible] हि नाय [illegible] याना [illegible] द वहू नस्येन माव जन [illegible]

[illegible] म [illegible] ॥ ॐ [illegible] ४ ॥ ॐ प्रनेस [illegible] न सावयजन [illegible]

[illegible] य [illegible] मनावि [illegible] सकानयद्वा द विहानस्यस वे स्थेन माव [illegible] नम

[illegible] क्षन [illegible] ॥ ॐ यो णा किं ॥ प्रणप्राय श्वित्त होम ४ ॥ ० ॥ बलि [illegible]

[illegible] डि आ न आया यादि ब्राह्मण दक्षिणा दान ॥ संग्र वत्रास [illegible]

[illegible] मि ॥ ॐ सूमि त्रिया नति प्रणी ता त्रिषर्का ॥ ॐ आप आय [illegible] वा ॥ प्र

व [illegible] मावन ॥ तत्र सं पूर्णं ॥ ॐ द वा गातु ॥ पूर्णाहुती ॥ ॐ आप्यायस्वेत ४ ॥ [illegible]

[illegible] स्य [illegible] ॥ ॐ सम्वद्दि वे ना ॥ वन्दना हुत ४ गन्धादि स वाहु दिवा वन्हु ने व [illegible]

[illegible] ल आग्नि दा दक्षिणा ॥ ॐ मन्त्र थ सि [illegible] ॥ न्यादि आ संसा ॥ मल [illegible]

[illegible] न्यादि ॥ कलश खुलि ला दि सगलकं ॥ थ व थ वे भ [illegible] ॥ [illegible]

[illegible] संसा ॥ पश्चाद् वाणी वादि ॥ ॐ [illegible] दवि [illegible] ॥ द व [illegible] अ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible] अञ्चि ॥ अ [illegible] ॥ ॐ यस्य कूष्मानि ॥ आवा य [illegible]

[illegible] ॥ तनाय म [illegible] विसर्जन ॥ नाग [illegible] विसर्जन ॥ अग्नि क [illegible]

[illegible] की [illegible] की ॥ तना यजमानेनि [illegible] नादि [illegible]

[illegible] ॥ [illegible] व [illegible] नय [illegible] प [illegible] की ॥ दर्पेन ताम्रपात्र लि [illegible]

[illegible]स्वा॥ वन्दनादि [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] वस्तुर्जन॥ [illegible]
[illegible]प्रज्ञानं॥ [illegible] ॥ [illegible] ब्रह्म [illegible] ॥ ब्रह्म विण [illegible] ॥
[illegible] विमू [illegible] ॥ [illegible] विसर्जनं॥ ॐ नम [illegible] य [illegible]
[illegible] मि [illegible] न्कामि [illegible] ॥ ॐ षयेमन [illegible] घ [illegible] ना॥ [illegible]
[illegible] ॥ ॐ ग्रायूषति [illegible] ना ललाट [illegible]
[illegible] नयंत [illegible] गच्छ॥ [illegible] विसर्जनं॥ ॐ गच्छ [illegible] ॥
[illegible] स्वीकुर्यात॥ हृदयनाम्मालिन्यां॥ ०॥ [illegible] काम [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] थादिवस [illegible] कर्मादि॥ [illegible] ॥ मण्डपादि दानादि [illegible]

[illegible] नं॥ वस्तुपूजा॥ वन्दनादि॥ वाक्य॥ ॐ मया पूर्वे वसी [illegible] नंदग्रा [illegible]
[illegible] दयालि मया [illegible] विसर्जय [illegible] नि [illegible]
[illegible] ॥ वस्तु [illegible] वायन्त वाय [illegible] मना [illegible] ॥ ॐ [illegible]
[illegible] मम [illegible] प्रियश्च [illegible] जय [illegible] नाधन [illegible]
[illegible] ॥ ॐ ह्रीं श्री महामन्त्र॥ [illegible] स्वाहा॥ वलि॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] यादि॥ [illegible] ॥ [illegible] मान [illegible]
[illegible] ॥ नमया [illegible] वाय [illegible]
[illegible] नाना [illegible] य [illegible]

[illegible]कूलाली कर्म[illegible]माक[illegible]उत्तम[illegible]स[illegible]ण।[illegible]वण[illegible]क[illegible]याद[illegible]यासी
[illegible]द्यन कृत्त व[illegible]या[illegible]दि[illegible]न सिपूर्ण दिन[illegible]न[illegible]
लिखित श्री[illegible]। [illegible]व[illegible]म[illegible]वनं[illegible]थ[illegible]व[illegible]णि[illegible]गा[illegible]
[illegible] मित्र[illegible]न[illegible]वनस्थले[illegible] सुग्रीवसा[illegible]क[illegible] सर्वथा[illegible]
[illegible]नावच्छिता।सुग्रीवस्य च राघवस्य[illegible]मि[illegible]य[illegible]य[illegible]
[illegible]नाम[illegible]यूवया[illegible]सर्य[illegible]वश्यानामसू[illegible]मित्र[illegible]
[illegible]श्री[illegible]कृतेव कृया प्रीति[illegible]वाननल निल व[illegible]सीय[illegible]
दि कालवासा[illegible]वित[illegible]व[illegible]वालना लागणा[illegible]त्रिना[illegible]या[illegible]न धन[illegible]
[illegible]अंगुलीचायुवर्द्धनी ०॥ पलासास्वादनी[illegible]वेककं[illegible]वदसमी[illegible]द व दा[illegible]म[illegible]
४ [illegible]२

[illegible]मार्न[illegible]न वी[illegible]नाश्वना[illegible] विल्वमासान[illegible]भासाक[illegible]सनी[illegible]न[illegible]
[illegible]द[illegible]सामिध[illegible]ना ४॥ ०॥[illegible]काले चतुर्थीय[illegible]
[illegible]धनसी पदक्षा॥[illegible]कोणे पश्चिम[illegible]व[illegible]रुनी। विग[illegible]नं[illegible] दिवा[illegible]
[illegible]॥ग[illegible]व बाल[illegible]पारुव[illegible]नादि विधि[illegible]वा [illegible]माल्यं[illegible]
[illegible]दासमध्ये[illegible]कृत्वा प[illegible]मा[illegible]॥[illegible]यालक्ष्मी [illegible]॥[illegible]
नीकलसामूल [illegible]पनी। [illegible]सि[illegible]सारा[illegible] [illegible]
[illegible]नन[illegible]दव[illegible]नी।[illegible]म[illegible]ली[illegible] [illegible]काल[illegible]
[illegible]॥ चतुर्थी[illegible]नक[illegible]वनिस्कृत्ते[illegible]च[illegible] [illegible]षीनाम[illegible]
पलासास्वादनीव्रहि. वेककंव[illegible]सम[illegible]कुवदा[illegible] [illegible]वनी[illegible]वि
[illegible]मासान। [illegible] सा[illegible]का[illegible] [illegible]दशा[illegible]सामिध[illegible]ना ४॥[illegible]

२ ताम दवमाजनी [illegible] वक्त्र [illegible]
[illegible] आलगाद [illegible] २ [illegible]
ॐ [illegible] ानव [illegible] २ हृदि
ॐ ज्ञां गिवनव [illegible] २ [illegible]
पुनर्ह्री मविल [illegible] मनट [illegible] म:
ॐ [illegible] ह्रीं नवायव [illegible] २
[illegible]॥ॐ ह्रीं आयनवाय [illegible]
[illegible] २ जा ह्रू॥ॐ ह्रूं नजनवाय [illegible]
यश्ना [illegible]॥ॐ [illegible] वायुनवाय [illegible]
नायश्ह्रु॥ॐ [illegible] आकाशनवाय
[illegible] गिवायश्ह्रूह्रि॥ आ [illegible] ना
[illegible] ललाटं कं ललाटा [illegible]
नर्के॥ ॐ क्रि [illegible] नव ॥०॥

[illegible] नीर ॐ वज [illegible] २ [illegible]
[illegible] २ ॐ [illegible] २ ॐ [illegible] २॥
ॐ [illegible] २ ॐ [illegible] विर ॐ [illegible]
[illegible] २ ॐ [illegible] नीर ॐ [illegible] नान्नीर
ॐ निविर [illegible] २ ॐ म [illegible] २ ॐ [illegible]
[illegible] २ ॐ [illegible] २
[illegible] २ ॐ [illegible]
ॐ कार्य [illegible] ॐ [illegible]
[illegible] २ ॐ [illegible] आमनी [illegible]
ॐ [illegible] २ [illegible] २ ॐ [illegible]
[illegible] २ ॐ [illegible] २
[illegible] २ ॐ [illegible] २॥

[illegible] २ ॐ [illegible] नीर [illegible]
[illegible] २ ॐ [illegible] नीर [illegible]
ॐ म [illegible] नी ॐ [illegible] २॥
ॐ काक [illegible] २ ॐ [illegible] २
ॐ ग [illegible] कला॥

ॐ आगनवायश्आ [illegible] वाव
नायव [illegible] २ ॐ [illegible]
नी॥ [illegible] २ ॐ [illegible] मा [illegible]
यनय [illegible] २ [illegible]
॥ॐ व [illegible] ॐ [illegible]
[illegible] यनय [illegible]
[illegible] ना॥ॐ यजमान [illegible]
२ ॐ जमान [illegible] यनय [illegible]
यश॥ॐ पुन [illegible]॥ॐ [illegible]
२ [illegible] विपनय २ ॐ [illegible]
२ ॐ नमी [illegible]॥ॐ जल [illegible] २
ॐ जलम [illegible] यनय [illegible] वाय २
ॐ [illegible] महयनय [illegible]
[illegible] २ ॐ [illegible]
ॐ मा नायर ॐ [illegible]
[illegible] यश ॐ [illegible]
[illegible] नामायर ॐ [illegible] वा॥ॐ
[illegible] २ [illegible]
[illegible] वायन [illegible]
ॐ [illegible] ना [illegible]

ॐ [illegible] नवायव [illegible]

[illegible] विष [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] दि सू [illegible] मा [illegible]

[illegible] सवि [illegible]

[illegible] मानक [illegible] य२ यउ

मात मृत्यु खि पतयउ [illegible] य २

[illegible] न ख्वा [illegible] कं म कं यि

कं मृत्यु खि प कय मूना [illegible]

[illegible] नी [illegible] कल [illegible] य२

[illegible] मृत्यु [illegible] पतय कं [illegible]

[illegible] वाय मूकं

[illegible] य मृत्यु खि प कय०

[illegible] मव वाय [illegible]

[illegible] य२ ०[illegible] मृत्यु बि [illegible]

[illegible] य२ [illegible] नी लगे

[illegible] य२ ख मृत्यु

[illegible] श्री माय [illegible] नम

[illegible] दि विद्यानवा

[illegible] वा कं

[illegible]

[illegible] या [illegible]

[illegible] मा [illegible]

१८ श्री [illegible] निवेकन॥
मण्डलं [illegible] नयथ ७ ॥
मण्डलाद्यादि मा ह्ना॥ ८॥
वाञ्छागाजनं कृ याते॥
पूर्वस्मिन्निनस सानायवी
शीननिनार्थे॥ यन्त्र मण्डपं
न्यानि मर्म क्रनमानिनर॥१॥
॥०॥ननवृनन गात्रु वन
जानिक कुर्व्व जसमानी [illegible]
वनिपक्षाल्प॥ हविस [illegible]
पक्षुद्वनादल क्रमा [illegible]
कल्पादक गन्धुला [illegible]
वर्त्तसमि कृत्वा॥ तलनपु
सुन्दरा॥ ॐ यीनान्नि [illegible]
मण्डलं॥ ॐ विश्वन स्थ [illegible]
वलिपक्षुमण्डपादि व [illegible]
श्रीन मक्षिकाय नी [illegible]
वहिनि विध्य॥ वलि [illegible]
लपर्याविज्व कामक्षिप
रुन्नदीस मर्यनी॥ उ
नायपीज [illegible] थान
अवायादि [illegible]
नस्नानादि लि [illegible]
॥नमामण्डपनविव [illegible]
जायुधनायाप [illegible]

[illegible] न [illegible]
ननस्नयोध [illegible] गजनामम
नयन्नी [illegible] नमामाहि
अर्द्धं [illegible] पूजालेपन [illegible]
श्री कामं नावयत॥ [illegible]
॥ अष्टकुलाश्वा कणां॥ ॐ [illegible] क ९
न [illegible] दकदलाय कालेनं॥
कवन [illegible] स प्राणनं॥ निवा
मन्त्रणागन॥ ॐ नमः [illegible]
किनकुलन हनं॥ हृदेयनन
फुलडुहु स्वलानिधाय॥ ॐ स
मीप्रनमादि मूलनयहनं॥
[illegible] नं॥ ॐ क [illegible]
ॐ [illegible] स्वदह्वमति॥ कं
सूर्य्या निधाय॥ ॐ पवाप्न ०
न [illegible] स्नु [illegible] विधाहनं॥ ॐ
[illegible] वाक्यावि [illegible] प्राकणं॥ ॐ
[illegible] सूर्य्य धी॥ क्षिविश्विपन॥
ॐ अनमा भगवति [illegible] कर्म नाय
[illegible] न [illegible] कात्या॥ तवं [illegible] फुल
नय [illegible] दध्यताभ्र भू॥ ॐ म
[illegible] या [illegible] वा॥ ॐ आया
य॥ दुना॥ ॐ गडासि॥ ॐ नमः
[illegible] या॥ ॐ ना॥ पनीव नु
[illegible] धूपदा॥ मूलम
॥ नवहु [illegible] ॐ [illegible]
[illegible] नालीहाहे॥

अमनव [illegible] थन नवतन
॥मूलत [illegible] वनु [illegible] वगार्द्ध॥ अष्टा
उनगत [illegible] निड [illegible] मूलेख
दर्लीनस्पृ [illegible] ॥अ [illegible] बाद ॥ध्येनु
[illegible] ॥हृदयत्रा [illegible] ॥ख उ [illegible]
आम्रुणे घ [illegible] ॥उं घ्रतुं दवि
लि ॥ [illegible] वरद [illegible] त्त [illegible] उदनि
[illegible] यो ॥ बद्धक [illegible] कांचयन ॥
कलग बङ्किः स्फुलिल यविव
रक ॥सषत्रि [illegible] णभ्रामस [illegible]
ध्यान ॥ उंवउ [illegible] वं [illegible]
खवबकगरदाकिनं ।कुन्तु [illegible]
किनी [illegible] वा ड दया [illegible]
॥ ॐ निवद [illegible] मवनु साधनं [illegible]

१ मया [illegible] वर्स [illegible] या नन्दायास
वृदिवना । [illegible] निधु [illegible] याले
मयाअघ [illegible] य [illegible] ॥ ददि
गंयकृनिर्म्माल्यं क [illegible] वप
कीत्वया । वस्तु [illegible] बं । पदं [illegible] य
सूत्राणि सूम नमा [illegible] धा [illegible]
ॐवस्तुकृ क्लि [illegible] नि [illegible] वं [illegible]
सदोत्र [illegible] । गजवमीध थाद [illegible]
वस्तु नाथ नमा [illegible] ॥ वतुथ
याविशाय ॥ ॐद वस्तु [illegible] ॥
ह्रीं श्रीमदा मलि [illegible]
वलि [illegible] कु [illegible] नकं [illegible]
१०४ ॥ ॐ मजा [illegible]

[illegible] ॥ [illegible] ॥ यय [illegible]
घ ॥ स्रुदुस [illegible]
[illegible] ॥ ॐ [illegible] ॥ द्वियाक
[illegible] ॥ गाव [illegible] ॥ मध्यांकि वध
[illegible] नपव म [illegible] क
जमण महामान निवाला नलि
[illegible] नगर्भ्य [illegible]
वीदवेवकलीनं जाल मजा लनायं
ज्ञाननीयाता सीर्फ सर्व [illegible]
गावैसकलसूखवकर्न नीमिहद
सं नावैं ॥ यथा सीप्येदव [illegible] हृव
[illegible] न [illegible] दकिले नील वलं
वामरक त्रिनत कन्तं [illegible] स मक
वं पं श्रेमनु [illegible] लंत्रिपु [illegible]
[illegible] मद्युवकयकजवर्वंग क्रिय
ह्रीजडाय्यी [illegible] ॥ रखा [illegible]
वपन [illegible] कावं नीमिखद्वा मीहला ॥

ॐ समुद्राद्दूर्मि मधुमांऽउदारदुपाऽशुना संमृतत्वमानं घृतस्य नाम गुह्यं यदस्ति जिह्वा देवानाममृतस्य
ॐ समुद्रे ते हृदयं सलिलस्य मध्ये अपां नाना यद्यदि मिषमाना ४ ऊर्जा याय ओहृ यजाय वाजा
आ पादि वीविह्न ा मत रुष्व ॥ २ ॥ ॐ समुद्राय त्वा वाताय स्वाहा सरिराय त्वा वाताय स्वाहा अनाधृ
ष्याय त्वा वाताय स्वाहा अप्रतिधृष्याय त्वा वाताय स्वाहा अवस्यवे त्वा वाताय स्वाहा अशिमिदा
य त्वा वाताय स्वाहा ॥ ३ ॥ ॐ समुद्रं गच्छ हृदयं मर्द्धनः संज्ञा विश्वा वाचयौषधीरूमा यथा अक्तस्य त्वा स
कुपर्णा मुक्ता कीनमावाक वि यम यत्वादा ॥ ४ ॥ ॐ समुद्रोऽसि विश्वव्यचा अजोऽस्येकपादहि
रसि बुध्न्यो वागस्यैन्द्रमसि सदोऽस्यृतस्य द्वारौ मा मा सन्ताप्तमध्वनामध्वपते प्र मा तिर ४
स्वस्ति मास्मिन् पथि देवयाने भूयात् ॥ ॐ समुद्रमिनरुद्रा नाव्यानु ४ ग मृत्ये गाहृ
मा मा भि माधूनामि मधुनामे तोः मेहमे यो हृदर सिमा वाहि वोह्या वन
मासि मे अर्कः मेयो हृदरसिमा वाहि स्वाहा ॥ ५ ॥ ॐ समुद्रवान् योऽ अप्स्वन्त
अ[illegible] इद्धनूऽ हृतानां त्वान [illegible] न क्रिवा ० समस्या मूयह मीहे बा
तुवहा ओपू [illegible] ुतां यन्मा ४ सगूनायद्य वः क्रियमानः सलिलः यधूना यथा
जूवहसू ॥ ० ॥ ॐ यन्मः संधू यवहृतायाय न ४ समूहायद्यः क्रियमानः सलिल यदूना पथा
[illegible] जसास्वाविताव जा ० मिवीयं किबी यि मामा सविह्य यायद्य न ऊधनो नासहामि कि सुम
वाजसा स्वाविताव जा ॥ ० ॥ ॐ यूऊ अक्रिवधमन्त्र यक्षवीन धुनि म्रु यायेके याव नाकि वि
माव मूणी दद्व हृशा ॥ ७ ॥ ॥ [illegible] स्वाया ॥ ॐ धूऊ अकिव धनय [illegible] ॥ ० ॥ ॐ समि धा
स्वाह मिस्वास ॥ धूऊ जस्य मरूजाम्या हनिविय कसाव क्षसान ७ क्रहवाह सा ॥ ० ॥ ॐ समिधा
र्वे [illegible] री नाधृमस्य म धूमत्यो स्वमान ८ ॥ वागविहत्वा जिनसाग अं गो [illegible]
मू कि [illegible] मानय स्रु [illegible] ध्वा जेकू नयावद । ध्वाग व ॥

[illegible]
यक्त मस्तु पलमयगा क्षीस
[illegible] तिरुङ्. रूवदान्
[illegible] कुरुयात [illegible]
कुगमवत ह०ना०च्ये१०ध
कुरु यक यकली गीलक्ष
नागधे पिमायकूतु प्
लीननान जहसनाव
गनवाव सहन्नथान ज
उद्वे जूलीनी रूलीनि
बाक्रकलीनि [illegible]
कुह नाग क्षत [illegible]
पंचहायडा [illegible]
खत२ गिजल [illegible]
गवविबा। धन [illegible]
पंचमूत [illegible]
चीगूत मपट [illegible]
यडा [illegible]
कापन [illegible]
[illegible] वमाछ्याल
[illegible] ल्ली पक्क
[illegible] धीचनकडा
[illegible]डा०र [illegible]
[illegible] डामडा

[illegible]
हाम्ल [illegible]
खानवाकू तरक्षकाल कालू
क्षाहारु २।जुह्माक्ताम
मिखडा२ झीजायिनात पु
आर व्यालखत२ क्ष दुकाप्र
कुत२ ममनअखत२सिह
निकाप्रकुत२ धनकुत२
कन्विकाकृल२खांप सावनिय
४।। साइद्यानह वन्दनञ
तिवत०१०डा२ तुतुनिम्ब
[illegible]डा२ नू पकाम्ल पक्षक
थड़ा२ मुमख मनपूथ्या प्र
थीतु तिरुला तिकातु हा
नजमनी केव एन तुल
पुवा थाल कोलख ह्मानडा
[illegible] डा नेवा
[illegible] नडाचेग कोडाव
[illegible] नाम। चपा
[illegible] क्षाव
लिडा२ध्व [illegible]
पह्निमाय मूर्त [illegible]
[illegible]
[illegible] वाल्मीक [illegible]
[illegible]
[illegible]

श्री

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥ अथ करादि अंगन्यासः ॥ आचम्य ॥ अर्घ्यो ॥ अपादि
॥ न्यासं यथा ॥ ॐ ह्रां अंगुष्ठाभ्यां नमः ॥ ॐ ह्रः प्रद्युम्न वीर्य रूपाय अंगुष्ठाभ्यां नमः ॥ ॐ ह्रांः नि
र्मल ज्ञान स्वरूपाय हृदयाय नमः ॥ ॐ ह्रांः सर्वेश्वराय सूर्यस्य शिरसे स्वाहा ॥ ॐ ह्रींः प्रद्यु
म्नाय शिखायै वषट् ॥ ॐ ह्रूंः वासुदेवाय कवचाय हुं ॥ ॐ ह्रौंः अच्युत निगम ज्ञसनाय
वौषट् ॥ ॐ ह्रः अपराजित वीर्य पाय अस्त्राय फट् ॥ नेत्र अर्घ्याय हुं फट् ॥ अत्र अंगन्यासं ॥
ॐ केशवाय नमः ॥ ललाटे ॥ ॐ नारायणाय नमः ॥ मूर्ध्नि ॥ ॐ माधवाय नमः ॥ कण्ठे ॥ ॐ गोविन्दाय नमः ॥ ग्री
वायां ॥ ॐ विष्णवे नमः ॥ हृदये ॥ ॐ मधुसूदनाय नमः ॥ पृष्ठे ॥ ॐ त्रिविक्रमाय नमः ॥ उदरे ॥ ॐ वामनाय न
मः ॥ कट्यां ॥ ॐ श्रीधराय नमः ॥ दक्षिण जंघायां ॥ ॐ हृषीकेशाय नमः ॥ वाम जंघायां ॥ ॐ पद्मनाभाय नमः ॥ दक्षिण
पादे ॥ ॐ दामोदराय नमः ॥ वाम पादे ॥ ॐ वासुदेवाय नमः ॥ ॐ इति न्यास ॥ ॥ गुरु पूजा ॥

[illegible] ॥ गणाधिपाय पूजा वंदनं ॥ ॐ न वा [illegible] विष्णवे [illegible] ॥ ॥ [illegible]
[illegible] ॥ ॐ [illegible] ॥ ॐ विष्णुः ॥ ॐ दिव्यो वा विष्णु ॥ ॐ प्रतद्विष्णु ॥ ॐ
[illegible] ॥ ॐ तद्विप्रासो ॥ ॐ त्रीणिपदा ॥ ॐ तद्विष्णोः ॥ ॐ इदं विष्णुः ॥ ॐ
[illegible] ॥ ॐ सूर्य [illegible] ॥ ॐ अग्निर्यम ॥ ॐ सूर्य [illegible] ॥ ॐ पवित्रस्थो ॥ ॐ
[illegible] नमामि ॥ ॐ आजिघ्र ॥ ॐ नमिति ॥ ॐ यज्ञानमानं पावकान ॥ ॥ अर्घादिया
दि ॥ ॐ ब्राह्मणं कदाचि मालिका ॥ बद्धवलि ॥ प्रतिष्ठा पर्यंक वदय ८० नु ॥ ॥
अर्घ्यपात्र स्थापन ॥ वरसायक ॥ स्थानन कृयक ॥ गणाधिप पूजा ॥ ॐ ग
यः ॥ ॐ विजयाय नमः ॥ ॐ यज्ञाय नमः ॥ ॐ प्रयत्नाय नमः ॥ ॐ वात ॥ ॐ विधातरं ॥

विरूपाक्षनायश॥ॐ क्षितिजशा॥ॐ गणपतयश॥ॐ ब्रह्मयानायश॥ॐ क्षेत्रपालायश॥ ध्व [illegible]
॥ॐ दयग्रीवायश॥ॐ वलभद्रायश॥ दक्षिणे॥ॐ गरुडायश॥ॐ नरसिंहायश॥ पश्चि
म॥ॐ कपिश॥ॐ वसुदेवायश॥ॐ कूर्म॥ॐ ववाहायश॥ॐ वक्रपालिप्रोश॥ मध्ये
ॐ श्री वासुदेवादि॥ॐ गरुडाननायश॥ आवाहनादि॥ॐ अश्वेदापि॥ॐ ह्रनयुग [illegible]
॥आवाहन॥ॐ प्रणीकरणवान्विष्ण [illegible] पतितमाहयकल्पितम्॥ आवाह्यदेवदेव [illegible]
यथमासमवमूर्तिमी॥ ध्यान॥ॐ शुद्धस्फटिकसंकाशं तुषारकिरणप्रभं द्वि
[illegible] वितानादं [illegible] कवर्णकहरि॥ सूर्यचयोनूर्ध वहि [illegible] देवीनूर्पतथापर
[illegible] गदायुधं [illegible] मूवूगच्च्गदागरवं चक्रच्चैव [illegible]
[illegible] वामदेवोपचर्मदमू॥ कलशं दध्यीर्नाल [illegible]

[illegible] नीचलाघाकडयतं॥ श्वेतन [illegible]
[illegible] लोकानुग्रहकारक नमस्ये सामवेदात्मा वासुदेवा
[illegible] नेवाकान कतूनाहक्षिपद्धलीगवत्राकविकामि [illegible]
[illegible] वाहनादि॥ पाद्यार्घ्य॥ पुष्पाङ्गं लिंग ललिति॥ स्नान॥ [illegible]
वनदि चन्दन॥ श्री खण्डेति॥ गन्ध॥ चन्दनादि सुगन्धाढ्यं कस्तूरीसहवासितं [illegible]
क्षालनयिता दान्य यवार्थमधुसूदन॥ वस्त्र॥ यज्ञोपवीत॥ मालापुष्प॥ पा
श्वान॥ काचा विनति॥ जीलिस्नान॥ यव॥ पवन॥ उपाल॥ छियासता॥ अक्षत [illegible]
श्रीफल॥ ध्वजा॥ ब्रह्मनकुल छाया॥ हृदयादि स्नान नाना॥ पञ्चादि मीनम [illegible]
पूजयमूलदल॥ ॐ श्री वासुदेवायश॥ॐ श्री संकर्षनायश॥ॐ प्रद्युम्नाय

शा॥ॐ श्रीं भूमिवृन्दाय शा॥ॐ श्रीं तुं च्छाय शा॥ॐ श्रीं निरये शा॥ॐ श्रीं क्रियै शा॥ॐ श्रीं [illegible]
शा॥ ॥गरुडपूजा॥ॐ सू पक्षिराजाय॥ ॥कणवादि मूर्ति पूजा॥ॐ केशवाय अ
ग्नि मूर्त्यै शा॥ॐ नारायणाय विष्णु मूर्त्यै शा॥ॐ माधवाय कुन्द मूर्त्यै [illegible] गो
विन्दाय क्षिति मूर्त्यै शा॥ॐ विष्णवे हृषिक मूर्त्यै शा॥ॐ मधुसूदनाय वायु मूर्त्यै
शा॥ॐ त्रिविक्रमाय जल मूर्त्यै शा॥ॐ वामनाय धन मूर्त्यै शा॥ॐ श्रीधराय [illegible]
[illegible] हृषीकेशाय वज्र मूर्त्यै शा॥ॐ पद्मनाभाय सूर्य मूर्त्यै शा॥ॐ
[illegible] मूर्त्यै शा॥ॐ पुरुषोत्तमाय चन्द्र मूर्त्यै शा॥ ॥ततो गणप
[illegible] गोप्रम दृष्ट्वा पिबा श्रीदिन मातृकादि गणं
[illegible] सूतगन्धादि॥ ॥पुनः मूल द्वादसके पूजा यजु
[illegible] ॐ नरसिंहाय शा॥ॐ वामनाय शा॥ॐ पन
[illegible] ॐ कूर्माय शा॥ॐ वराहाय शा॥ॐ कल्कि शा॥ तत दशावता
[illegible] त्रियादि द्वादश सकी पूजा॥ ॥ॐ कृष्णनाथाय शा॥ॐ
[illegible] ॐ हृषीकेशाय शा॥ॐ माधवाय शा॥ॐ मधुसूदनाय शा॥ॐ वराह
[illegible] कायशा॥ॐ नृसिंहाय शा॥ॐ दैत्यसूदनाय शा॥ॐ दामोदराय शा॥ॐ प
[illegible] शा॥ॐ केशवाय शा॥ॐ गरुडध्वजाय शा॥ॐ गोविन्दाय शा॥ॐ पुष्कराय शा॥ॐ दे
वकवशा॥ॐ जगन्नाथाय शा॥ॐ चतुर्भुजाय शा॥ॐ गदादि अस्त्र पूजा॥ॐ [illegible]
नाथाय शा॥ॐ पीताम्बराय शा॥ॐ वनमालाय शा॥ॐ श्रीवत्साय शा॥ॐ श्रीधराय शा॥ॐ [illegible]
शा॥ॐ रति मूर्त्यै शा॥ॐ लक्ष्मी मूर्त्यै शा॥ॐ हरमंकाय शा॥ॐ गिरिजाय शा॥ॐ धर्म [illegible] शा॥ॐ

गिरीषायश॥ॐ वलिवायश॥ॐ सदायश॥ॐ आदित्यादिनवग्रहेभ्यो॥ॐ इन्द्रादि
दशलोकपालेभ्यो॥ॐ भूमिप्रदादि विनिभ्यो॥ॐ अनुष्ठानादि [illegible] कृतेभ्यो॥ॐ वस्तेर
देभ्यो॥ [illegible] ॥ॐ मघादि [illegible] वासिभ्यो॥ॐ अश्वक्रमादि अरु विर्जीवप्पोर॥
ॐ [illegible] दे॥ॐ अर्घपाद्यादि॥आवाहनादि॥ ॥धूप॥दीप॥फल॥नैवद्य॥
[illegible] पुष्पादि॥अतगन्धादि॥ ॥अर्घ॥ॐ अर्घ्यवाग्रहकल्पयादि॥
[illegible] नासाय [illegible] नावक्रवणाय [illegible]॥एकादशीव्रतार्दने ग्रह
[illegible] नम [illegible] ॥मङ्गल जय कोत्र॥गायत्री॥ॐ लक्ष्मीनारायणाय विद्म
[illegible] व्रयादक्षयात्॥ॐ सकल जन्मानि पापानि मयार्च
[illegible] गवेश [illegible] नन्दकाक्रमदाभूत॥पथ्थवसुञ्जनार्दन त्वम
[illegible] अखिलानि खण्डानि भुगानि नकसन्तुमे॥कशवे मार्गशीर्ष कुर्यो
नारायण [illegible] माधवं माघमासे तु गोविन्दं फाल्गुने तथा चैत्रे विष्णु नाम
नि वै [illegible] मधुसूदनं ज्येष्ठे त्रिविक्रमं नाम आषाढे वामनं तथा॥श्रावणे श्रीधरं
नाम हृषीकेशं च भाद्रके पद्मनाभं आश्विनीमासे दामोदरं तु कार्त्तिके॥एत
नामसहस्रं तु [illegible] मम कर्म विवादेषु नाना सिद्धार्थ
नाना नाम [illegible] कलौ [illegible] नवदश॥वालग्रहादि [illegible]॥नमोस्तुते॥
अतगन्धादि॥मङ्गल विसर्ज॥देव दक्षिणा॥देवानी [illegible]॥ब्राह्मण पूजा॥
यजमान अभिषेकादि आशीर्वाद॥ [illegible] पूजा [illegible]॥इति एकादशीव्रत॥

ॐ ग्रां कर्पूर्मुखि मांहृदयां ...
मम कुरु जूँ वनीय अग्नि ...
हृ हृ क्लं नं हः ॐ हृनीना वीज्ञं व ...
वना हलावी जा निश्वना ॐ
काय क्लीन विक्लीना थोवीनि
न॥ मह अनिक्षीं ग्रां जूं कीं स्वं ग
घं हं सूं अंकुक्षाय नमः ॥ ॐ
ॐ क्रीं ग्रीं हूं ॐ वं ग्लुं गं जूं यी श॥
ॐ नेक्रीं ग्रीं हूं हृं मध्यमाभ्यां २
॥ ॐ नेक्रीं ग्रीं नं हें ग्रं अनामिका
भ्यां॥ ॐ नेक्रीं ग्रीं डां पढीं कनिष्ठ
काभ्यां॥ ॐ नेक्रीं ग्रीं जूं यं ॐ करत
लकरपृष्ठाभ्यां नमः॥

ॐ जूं ग्रीं कूर्मसाय पु[illegible] क्रियानम॥
ॐ जूं भूतकायविनजाय ॥
ॐ हूँ भूतक्षमाय गणात्मने २ ॥
ॐ ॐ भूतीनाय लालाक्षै २ ॥
ॐ ईं भूमनगाय च उल्ला २ ॥
ॐ ईं दीप्तीशाय यधानाये २ ॥
ॐ जूं रावहस्तीशाय दीर्घमूर्खो २
ॐ जूं अर्धिथीशाय [illegible]
ॐ क्षीं लीलाय दी[illegible]
ॐ ॐ कनमाय क[illegible] २ ॥
ॐ जूँ नूरगायदी धूकजी २ ॥

ॐ ओं दिक्षिमाय विकटामुखे २ ॥
ॐ [illegible] जातिमाय ज्वालामुखी २
ॐ ओं अनुग्रहेशाय उल्कामुखे २ ॥
ॐ जूं क्रूरेशाय श्रीमुखे २ ॥
ॐ अमहाकामदेवाय विद्यामुखे २

ॐ वं क्रोधीशाय महाकाली २ ॥
ॐ वं वण्डीशाय सरस्वती २ ॥
ॐ गं पंचान्तिकाय गौर्यै २ ॥
ॐ घं शिवोत्तमाय त्रैलोक्यविद्यायै २
ॐ ङं एकरुद्राय मन्त्रशक्त्यै २ ॥
ॐ वं कूर्मेशाय आत्मशक्त्यै २ ॥
ॐ छं एकनेत्राय भूतमात्रे २ ॥
ॐ जं चतुराननेशाय लम्बोदर्यै २
ॐ झं अजेशाय द्राविण्यै २ ॥
ॐ ञं सर्वेशाय नागर्यै २ ॥
ॐ टं सोमेशाय खेचर्यै २ ॥
ॐ ठं लाङ्गलीशाय मञ्जर्यै २ ॥
ॐ डं दारुकेशाय रूपिण्यै २ ॥
ॐ ढं अर्द्धनारीश्वराय वीरिण्यै २ ॥
ॐ णं उमाकान्ताय काकोदर्यै २ ॥
ॐ तं आषाढीशाय पूतनायै २ ॥
ॐ थं दण्डीशाय भद्रकाल्यै २ ॥
ॐ दं अत्रीशाय योगिन्यै २ ॥
ॐ धं मीनेशाय शङ्खिन्यै २ ॥
ॐ नं मेषेशाय गर्जिन्यै २ ॥
ॐ पं लोहितेशाय कालरात्र्यै २

ॐ ह्रं शिखण्डि… नमः २ ॥
ॐ वं वक्रदमाय कीलि… नमः २ ॥
ॐ ऌं विमयध्वनाय अनुवक्रा …
ॐ मं मलकालीमाय जयात्मि २
ॐ धं वालीमाय व्रगात्मन मूखवत्थे २
ॐ कुं रुद्रीगोध्वनाय वक्रात्मन रवथे
ॐ रं कुलीमाय नक्षत्रनमाय गुवादूर्थे २
ॐ वं पिनाकीमाय मीमात्मन माधवे २
ॐ गं कवचध्वनाय अनुष्ठात्मन वायवे २
ॐ वं लोतीमाय मङ्गात्मन रक्षोवध्योवे २
ॐ सं कृमीनाय गुञ्जात्मन मकट थि २
ॐ हं लउलीसाय प्राणात्मन लक्ष्मी २
ॐ ह्रीं शिवध्वनाय गन्धात्मन लक्ष्मी २
ॐ कं सवक्रीमायात्मन मनामामन २
ॐ गितिगीकं पदिन्यास ॥ ० ॥

ॐ नमः मातः ॥ ॐ अरखीलापान
ॐ कुं रजवमिखा ॥ ॐ कूं रखवमिरव
ॐ रजवह्रगा ॥ ॐ रखवह्रगा ॥
ॐ क्षूं रजवह्रांग ॥ ॐ मं रखवह्र…
ॐ ऊं रजवहैना ॥ ॐ कूं रखवमध्य ॥
ॐ रं रथी थामि ॥ ॐ … काखमि ॥
ॐ वं रथी थावाय ॥ ॐ …
ॐ सूं रमातिगा ॥ ॐ …

ॐ कं रजववाला ॥ ॐ रवं रजवमूला ॥
ॐ मं रजवका वि ॥ ॐ धी रजवमी विह मूल
ॐ हं रजववी विह्वा ॥

ॐ रुं रवव… ॥ ॐ आं रवव मूला ॥
ॐ रं रवव… ॥ ॐ उं रववयी विह्वा ॥
ॐ ह्रीं रववयी विह्वा ॥ ॐ मूल

ॐ ह्रं रजवकल युकुटि ॥ ॐ रजवया ८
ॐ कं रजवयी विह्व मूल ॥ ॐ तं रजवयु ८
ॐ रं रजवयी विह्व मूला ॥ ॐ लं रजवयी

ॐ नं रववयुकुटि ॥ ॐ धं रववयीन ८
ॐ दं रववयुटि ॥ ॐ धं रववयी विह्व मूल
ॐ नं रववयी विह्वा ॥ ० ॥

ॐ पं रजवयीका ॥ ॐ … रववयीका ॥
ॐ वं रजवी ॥ ॐ … यमूला ॥ ॐ मं यीन ॥

ॐ यं नुपुवत ॥ ॐ यं रजववाह ॥
ॐ लं रमिलरवा ॥ ॐ वं रववववाह ॥
ॐ शं रनुपुवत अंगुदिन जवला ॥
ॐ षं रनुपुवत अंगुदिन खवला ॥
ॐ सं रनुपुवत अंगुदिन जवनजव ॥
ॐ हं रनुपुवत अंगुदिन खवनखव ॥
ॐ क्षं रनुपुवत अंगुदिन मातिसकावर्क्ष

अघोरा … बताक्रमनुस्य
… अनुष्टुप्छन्दः श्री
… ॐ वीजं … कीलकं
… पायाथेविनि
… धामश्री
… ॥ ॐ नं … कं
… ॐ मं … दि
… मा यीति २ ॥

०४८१२८ या

ॐ वीमि सुमनृथ मीक्किपाम्नकनिस
याः । ॐ यीजूनक्न क्किपाम्न
नसाहा ॥ ॐ मं सूनादिवाधिद
क्किपाम्नगिरवायिवाषठ ॥ ॐ लिं
र्ग्ने ॥ क्किषाम्न कववायर्क्न ॥ ॐ र्व
निय मलुरूग क्किपाम्न नत नयाय
वीषप ॥ ॐ यीजूनक्न क्किपाम्नसू
न्नाय स्वाहा ॥ ० ॥ ध्यान ॥ आपाना
लदलादागषठुवने ब्रह्मानुमा
विह्नलनूक्षानिस्थ हिनलिमेन
हिनगन ७ भूरर्नु न्द्रु वाकामृगी ।
अक्षानामूलनमकमीगमनूर्द्धू
जानुवाकाक्रूयँ आय नावनि
मूकायळुनपदं विद्याहिर्विशर
नूदनू ॥ ॐ ह्लि ॥ पुजा ॥ ० ॥

। आक्ना ॥ प्रणीन ॥ वज्र ॥ लाकयालु
द्वि ॥ स्कन्दर्षी नव्रषद्र । वद ॥ ॐ
ग्रागाव मिन्नु ॥ अमिन क्कि वज्र ॥ ॐ
अमिह्न ॥ यम यमन्नल वज्र ॥ ॐ
यमनन्दल ॥ नैरुद सर्व व वज्र ॥ ॐ
यत्नादवी ॥ वरूण मा ग ...
०० मम्नवरूण ॥ वायव्य ...
ॐ नवायू ॥ ॐ कुवेर गजाय ज्ञा ॥
क्रविर्द गज ॥ ०० शान त्रिशूल ...

कय क्ना ॥ ॐ प्रा ... द ॥ ...
जवम्न कमलव वज्र ॥ ॐ ...
पूर्व ... का कनु निश्मा हाशाव ॥ ॐ न
मर्क्न भूमनाय ॥ ॐ जू य गावद ॥ अग्नि
लं यमक्ना म ... नि गायक ॥ ॐ नम
४ मन्न वायव ॥ ॐ नणानानु ॥ यक्ष्म
मवरूण काकव म स्क न ॥ ॐ सा वाना
मिन्नु ॥ ॐ यदक्ना ॥ ॐ वन स कुव
वक्काव दवी श्री वज्र ॥ ॐ लिवाना मालि
ॐ समक्न दवा ॥ ॥ नणवायूवयायव
वसव्नवयक्ना ॥ ॐ नणानाना ॥ गुरुकी
गानयाजवमष्ठी नयूठि वज्रा ॥ ॐ स्वद
स्नान ॥ आलि निश्च यं याजवधी सक
लिकपालय ॥ ॐ यानय दलो ॥ ...
भूयाजवम वज्र ... ॥ ॐ भूमैया
ना ॥ वद्ध ... याजवम भायूयक्न ॥ ॐ
वसुधा ॥ वायूयायै जवमवासु
याधीनयूठि ॥ ॐ वज्रक्न ... ॥ अग्न
... खवम गायूव ला ... ॥ ॐ
आदित्य ... नम मि ॥ ...
... यि ... व ००॥ गानयाज
... ॥ ॐ ... ॥ ॐ ... ॥ ह
क्ना ... स ॥ ॐ न ... ॥ ग
... नयक्ना ॥ ॐ लिक्षाना
मालि ॥ ... याजव ॥ ॐ ना ... ॥
... माठ्र ... याखवम ॥ श्री वज्र ॥
... ना स ... द ०० ... याजव यी
... ॥ ॐ ... ॥ ...
वायावुझा

ॐ [illegible]
नति[illegible]७ ॥ यथाविधानन क
लश स्थनं ॥ ॥ यथाकर्म्म [illegible]
मंकुणव लिकुपागदिय॥ [illegible]
[illegible]नकाल ॥ बिगलघवबा लु
वयअहायव ॥ लुं[illegible]कंपयं
अतया ४ वंभूलि याल्यंउ ॥ नि
म्ह्कन अग्निकोलाहनरो दि
स्नान याय यथाविधानन ॥ थ
न स्नान विधि ॥ लासालावक
लश स्वनथायसहयर्क ॥ [illegible]
काय ॥ यीगधू[illegible]नस्वक्रिक
लिक ७ ॥ आयार्थन व्यासकाव
यं ७॥ तिगल्वादिनसायय ७ ॥
गग४ कुम्भपूजन ॥ व[illegible]
य ॥ अग्निनआसनं ॥ [illegible]
स्थापनं ॥ ॥ पूजनं ॥
ॐ [illegible]यनम ४ ॥ [illegible]
ॐ विरजायनम ४ ॥ [illegible]
ॐ सुनन्दायनम ॥ [illegible]
ॐ [illegible]
ॐ [illegible]
ॐ [illegible]
ॐ [illegible]
ॐ [illegible]
ॐ [illegible]

ॐ [illegible]नम ४॥
ॐ [illegible]कायनम ४ ॥ आग्नेयादि [illegible]
[illegible]नानं ॥ ॐ अग्निनाय ॥ ॐ [illegible]
पूर्वागनायर ॥ ॐ विजयाय २ ॥
ॐ अमलाय २ ॥ ब्रह्मादकला
के ॥ ॐ ति कलश पूजा ॥ ॥
अतयो सहूजनं ॥ ॐ नन्दा[illegible]
जयाति कादूर्लु ॥ थनअठ
पासपूजा ॥ ॥ स्वकुहमादि
पूजनं ॥ यथाविधान नयश्च वि
णिगवादिव्यासादिनसायय ७
॥ विश्वकर्म्मनवकाथागार ॥
कल्या ॥ ॥ बिलिंउाक्षबीपूजा ॥
विश्वकर्म्मापूजनं ॥
॥ विश्वकर्म्मायालाहाास
वैगानस्वकि कयाय ॥ स्वानआ
कलनय ॥ [illegible]निधिक स्थ्वठ
विसर्ज्जन ॥ यजमाननमूठनिधि
कुम्भ [illegible]कलासहक्षा
य ॥ [illegible] ॥ [illegible]लिपहस्थाय
यागयी [illegible] ठस्वयक्रवासयूनी ॥ ल
[illegible]थाक्रक
[illegible]मयया ॥ ॥ [illegible]गद
पादस्थापन [illegible] ॥

[illegible] मिवैम ॥ अाव
थ्यिनयादस्थापनं सर्वतु
स्वार्थं ॥ थहूमखसिकलि
१ ॥ लूयनगुणायनं ॥ जूदन
नयकं ॥ ॐ घ्रक्षिवायनेयल
॥ वमदयमस्वलुपमक्रम्म
निधाय ॥ निधिद्धं नग [illegible] ॥
जूयिदान कलणेनजः [illegible] ॥
जूम्यादि ॥ ब्राह्मिनथाय ॥ जू
म्नयक्षा ॥ १ ॥ नैजयमासूर
वायवर्यक्षा २ ॥ [illegible]
क ह्रवाजूकनथ्वानव ॥ [illegible]
मथ्यस ॥ क्ष नामवैक्षालि
पूवाहामनमूगकालदं ॥
हृविवकृहनं [illegible]
ॐ ज्वाथाथाणक्षय २ [illegible]
दिहृजयः ॥ [illegible]
कावयः [illegible] क्षिवहाथ
॥ वाक्ष ॥ ॐ नम [illegible]
म्यावामत्रक्ष [illegible]
थ्रामादति [illegible]
क्षं नावर्क ॥ आयूकानप्रिय
नल [illegible] हिवामिछिदहि

नमः [illegible] आयुर्ध्या
यस्मादयन्नगलवेया ॥ १ ॥
[illegible] सर्वसदा रुद्रे । लोका
नां कूरूका स्यपि । अायूदा का
मदादेवी [illegible] वसदा नमः
॥ २ ॥ ॐ जय नराखदा देवी नि
ह्नवं क्षा पिपीमया । निर्थंग
यासहृथ्यवस्ता मिनाहवना
र्ज्जेविनू ॥ ३ ॥ विक्रनविक
थ्राम श्व्र सिद्धिमुक्तिप्रदलुर्न
। सर्वदा सर्वदसहूक्षं निक
क्षिनीमहूपिनी ॥ ७ ॥ ॐ पू
[illegible] वेमहाविद्या सर्वस
[illegible] नकलं । सर्वसे पूर्व
[illegible] नूक्षापिनसिमूण ॥
८ ॥ ॐ यावद्भुसमूर्य्यस्य
दिनासकमागना । यावदाको
[illegible] वगावर्क्षहक्षिनां रवः
॥ ॥ [illegible] ॥ ॥ म
[illegible] गाउ [illegible] नध्वाय ॥ ज
[illegible] दवसतुल
[illegible] ॥ [illegible] ॥ आवाथ्यी
[illegible] ॥ कलमा [illegible]

क दलन मि दु संतोष यमहा
नाणी वीद ॥ ॥ इ वाणिज्य
य ॥० ॥ ॐ मियादक पन दि

---

१ गणा बू लिखा वथाहन वक्त ७ ॥
आवायी पाद्य प्रकाल्य ॥ रूणव
लिविक्ष ॥ अध्यादि पूष्प गाज
नं ॥ यथाविधानं नकलन्मार्यनं
॥ स्वक्कन कपवाल स्वक्षमले
लक्षक्रनं ॥ धूप दीप गायक
उपयन्ति ॥ ॥
अथवा यथा उपायवधान
अग्निकार्य कृत्वा ॥ पूणाहुति
गिलाहू गिलजुनि धानय ७ ॥
यथाकर्मसि चूलिकाखानि ॥ मू
क्रियादिन ॥०॥ लामालाव
आगिकृ ७ इष्टं [illegible] य ॥ पेत्कभ
उलावहन ॥ यथाविधानन
दशक्रिमाय ॥ [illegible]
नवकाङ्ग नल धाउबी काक्रि
कृणाक गदूबीयर्थ नियो
य ॥ जिनवाणि न्यासनःणा

धनी मु [illegible] ॥ सा धन
[illegible] दूनि ॥ मूलमलेण
वं न्यास ॥ लगं वासतम्रत्या ॥
रूका ॥ ॥ धर्वाधीनं ॥ तनू
क्रमण [illegible] दूनि ॥ प्रतिष्ठा ॥
धनवन्धयव ॥ ॥ वान नि
दूनायाय ॥ यन मानन ज्ञ
वायनि [illegible] वान वन क्रिया
आदि जिन [illegible] ॥ ॐ क
ग्रवालाह कल्याणि ॥ अथादि
ॐ कूलिक [illegible] दिवाना [illegible]
[illegible] वामहं [illegible] ॥ प्रासादा [illegible]
[illegible] ॐ [illegible] यन माल्हुनं ॥ नाह
[illegible] किउयी नागा सू स्वीन ४ नू
प्रगा कथा । स्वरूलं हूढिमा
निर्णीम [illegible] आवाग मवव
यथा [illegible] कथा हूली यथा चूलि
न [illegible] ॐ [illegible] चूलिसमर्प
न्य सर्वकाम [illegible] प्रदे ॥ ॐ व
तिक्रि [illegible] वे सि ॐ आदि
॥ प्रतिष्ठा ॥ पञ्चामिषेक ॥
पूर्ण्णावक ॥ रूलावक ॥ अ
गायक ॥ लागायक ॥ [illegible]

१खूलि कावाक्ष ॥ॐ अथवाना हक त्य यादि ॥ ॥ॐ अयादि ॥ दूलिक वे मह
णाने उहलिति गीसदा लिवें । प्राणादा ह्लि दैवर्व ज्ञान हवन माक्षु पं ॥ नाह
णाक्लि ऊ चाचा जा सूखी नक्ष सगा कथा । खकु लिंह ह्विगानिर्थ स लि काना ह्लि
मयच ॥ यथा लिवकथा इ ती य था दू नि कथा लिव ॥ लिवदू ली सम भूर्ण स
वे । हत्तवदे ॥ वलि ह्लिणा सिदवामि कुवनि कार वत्ते या । मानि दर्थ प्रतिवर्य
स यजमाना नुवकयउ ॥ सेवानु हियदनि णनी स्तुव कउ यदस मा उसर्व लोकाना
सुखानाम्राम ये वच ॥ यजमान मकणा य वन्तु दूर्णम का । निकेउ ...
... यनमे ... ॥ यावन्तु नर्थीनि सुय वेगे खेर ...

वक ॥ सतु णमी बोदि ॥
नाथ ॥ प्रतिश्च ॥ कोत ॥
करि ॥ यथाणक्कि ...
करि ॥ कणाताति ॥ कण
वति ॥ णाकिक यह्लिक ॥
यवय ग्यादि ॥ जा यार्य
दुकने ॥ दक्तिणार्न कानय
ज ॥ सँक्लु ॥ आमसा ॥
कोत ॥ ज्ञत गन्मादि ॥ य
कमाना तिषर्क ॥ वनन ति
दूनस उणणी वादि ॥ ॥
देखावि खोकाय ॥ कामा
नीयूक्ती ॥ ॥ तिगिद्रुति
कावनाहल विषि समाकी

मह ... ॥ हे मन कु वपा
नपूर्ण ... गुरु ...
यावकूव ... सु ...
नी सफ मागना ॥ यायबों का
लगे माव गाव तेउ ह्लिगा
रव ॥ ० ॥ ॐ ह्लि नु यवउवि
द्वेज णागु हवबों न वन ॥ हे
थ हे वसुखवदे ह्वमत्पपुरी व
वाइन ॥ ह्लि ने ह्ला याह्लि ...
२ ॥